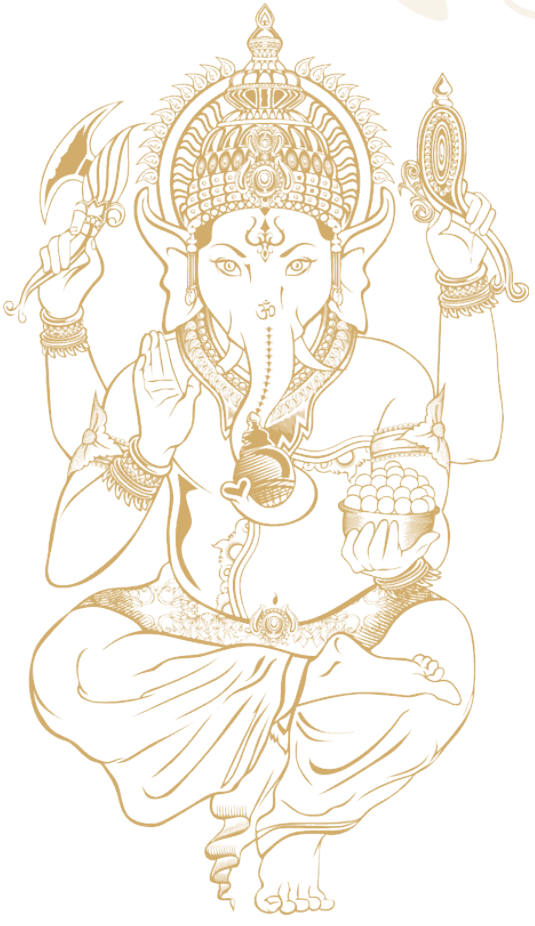

Dhananjay vaishnav

Saroj vaishnav

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120959506

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
10/07/1998 :	जन्म तिथि	: 24-25/03/1990
शुक्रवार :	दिन	: शनि-रविवार
घंटे 07:21:00 :	जन्म समय	: 05:10:00 घंटे
घटी 04:42:32 :	जन्म समय(घटी)	: 57:44:02 घटी
India :	देश	: India
Raipur :	स्थान	: Mahasamund
21:16:00 उत्तर :	अक्षांश	: 21:06:00 उत्तर
81:42:00 पूर्व :	रेखांश	: 82:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:12 :	स्थानिक संस्कार	: -00:01:36 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:27:59 :	सूर्योदय	: 06:02:48
18:48:53 :	सूर्यास्त	: 18:13:33
23:50:04 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:43:26

विंशोत्तरी सूर्य 5वर्ष 0मा 2दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 6वर्ष 2मा 25दि
राहु	17:53:49	कर्क	लग्न	कुंभ	22:18:45	शनि
12/07/2020	23:48:01	मिथु	सूर्य	मीन	10:20:34	18/06/2012
12/07/2038	28:52:24	धनु	चंद्र	कुंभ	15:22:51	19/06/2031
राहु 25/03/2023	08:39:56	मिथु	मंगल	मक	16:09:51	
गुरु 18/08/2025	19:20:03	कर्क	बुध	मीन	16:17:57	शनि 22/06/2015
शनि 24/06/2028	04:07:16	मीन	गुरु	मिथु	08:21:20	बुध 01/03/2018
बुध 11/01/2031	24:41:37	वृष	शुक्र	मक	24:00:07	केतु 10/04/2019
केतु 29/01/2032	08:39:04	मेष	शनि	मक	00:16:25	शुक्र 10/06/2022
शुक्र 29/01/2035	08:19:19	सिंह व	राहु व	मक	21:48:50	सूर्य 23/05/2023
सूर्य 24/12/2035	08:19:19	कुंभ व	केतु व	कर्क	21:48:50	चन्द्र 21/12/2024
चन्द्र 24/06/2037	17:51:39	मक व	हर्ष	धनु	15:41:43	मंगल 30/01/2026
मंगल 12/07/2038	07:18:23	मक व	नेप	धनु	20:42:39	राहु 06/12/2028
	11:49:14	वृश्चि व	प्लूटो व	तुला	23:44:34	गुरु 19/06/2031

लग्न-चलित

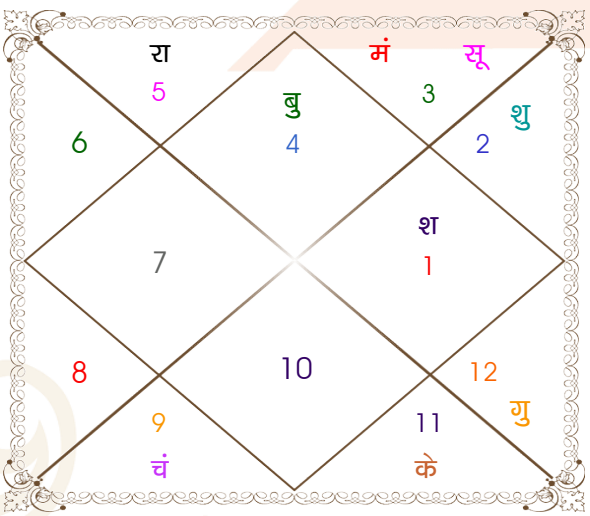

लग्न-चलित

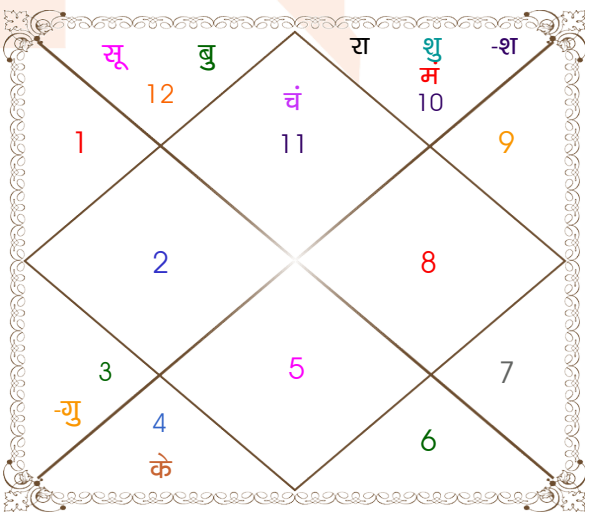

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Dhananjay vaishnav का वर्ग मूषक है तथा Saroj vaishnav का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Dhananjay vaishnav और Saroj vaishnav का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Dhananjay vaishnav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Dhananjay vaishnav कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Saroj vaishnav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Saroj vaishnav कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो

जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Saroj vaishnav कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Saroj vaishnav कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Saroj vaishnav कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Dhananjay vaishnav तथा Saroj vaishnav में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।